मासिक समाचार पत्र

परिसर

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय,मेरठ

जनवरी 2024

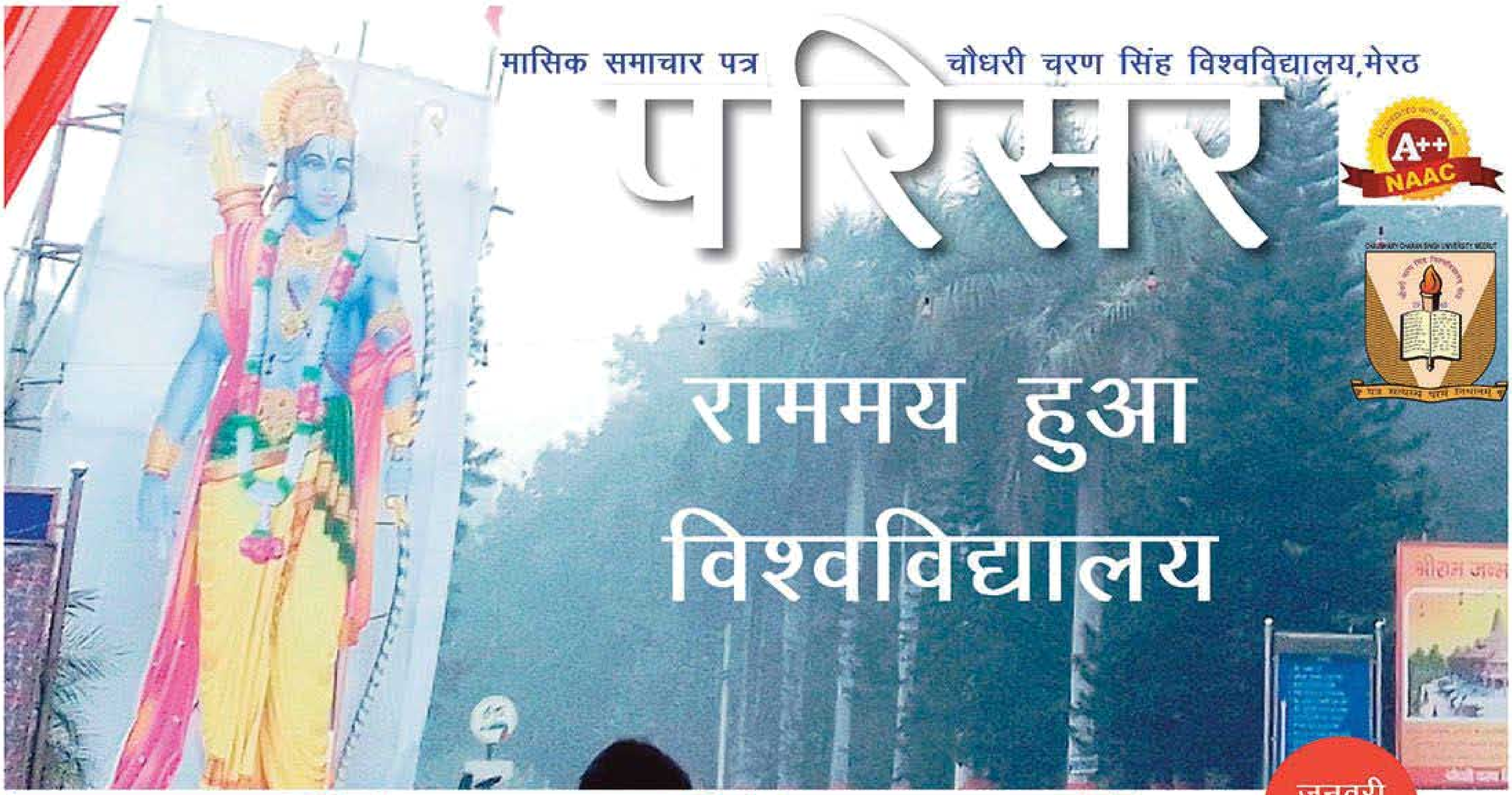

राममय हुआ विश्वविद्यालय

उत्तरायण सूर्य में सूर्यवंशी राम की प्राण प्रतिष्ठा 2

एक्सटर्नल में 40 अंक की अनिवार्यता खत्म 3

अर्थशास्त्र विभाग में क्षमता संवर्धन कार्यक्रम 5

विश्वविद्यालय में गूंजा जय श्रीराम का उद्घोष

नेताजी सुभाष चंद्र बोस प्रेक्षागृह में प्राण प्रतिष्ठा समारोह का सीधा प्रसारण देखतीं कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला, विश्वविद्यालय के शिक्षक, कमर्चारी और छात्र–छात्राएं।

नेताजी सुभाषचंद्र बोस प्रेक्षागृह में देखा रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का समारोह

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विवि (सीसीएसयू) परिसर सोमवार 22 जनवरी को राममय हो गया। 'सियावर रामचंद्र की जय' और 'जय श्रीराम' के जयकारों से परिसर गूंजता रहा। श्रीराम और बजरंग बली का झंडा पकड़कर युवा दौड़ते रहे। सीसीएसयू के मुख्य द्वार से लेकर पूरे परिसर को केसरिया झंडे और रंगीन रोशनी से सजाया गया।

सुबह रजिस्ट्रार ऑफिस के नजदीक बने मंदिर में पूजा अर्चना की गई। सुबह 11 बजे से सजीव प्रसारण देखने के लिए विद्यार्थियों का नेताजी सुभाषचंद्र बोस प्रेक्षागृह में आना शुरू हुआ और कुछ ही देर में खचाखच भर गया। कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला और कुलसचिव धीरेंद्र कुमार वर्मा सजीव प्रसारण देखने के लिए पहुंचे। जैसे ही प्रधानमंत्री अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में पहुंचे वैसे ही प्रेक्षागृह जयश्रीराम के जयकारों से गूंज उठा।

ललित कला विभाग में आयोजित श्री रामोत्सव में हाथों में अपने बनाए चित्र लिए छात्र–छात्राएं कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला और विश्वविद्यालय पदाधिकारियों व शिक्षकों के साथ।

केवल धर्म नहीं, मानवीय आदर्शों के प्रतीक हैं राम

परिसर संवाददाता

मेरठ। धर्म और संस्कृति के प्रतीक मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्शों व उनके जीवन मूल्यों पर आधारित 'श्रीराम उत्सव' का आयोजन सीसीएसयू के ललित कला विभाग में किया गया। कलाकारों द्वारा तैयार की जा रही मनमोहक, आकर्षक 'राममय' गतिविधियां राम भक्तों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गईं। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला ने उत्सव का आरंभ किया।

प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने विभाग की समन्वयक प्रोफेसर अलका तिवारी एवं शिक्षिकाओं तथा विद्यार्थी कलाकारों को बधाई देते हुए भूरि–भूरि प्रशंसा की। कुलपति ने कहा कि राम केवल धर्म नहीं बल्कि मानवीय आदर्शों के प्रतीक हैं। कुलसचिव धीरेंद्र कुमार वर्मा ने कहा कि ललित कला विभाग द्वारा 27 दिसंबर से निरंतर राम एवं रामायण के अन्य पात्रों का जीवंत चित्रण पत्थर, कैनवस, कपड़े, कागज, पटकों पर किया जा रहा है।

विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर संजीव कुमार शर्मा, संकाय अध्यक्ष कला, निदेशक एकेडमिक ने कहा कि कलाकार रामायण की चौपाइयों पर भी चित्रकारी करें। प्रोफेसर भूपेंद्र राणा छात्र कल्याण अधिष्ठाता ने सभी युवा कलाकारों को भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित की तथा इस प्रकार के धर्म व संस्कृति पर आधारित कार्य को करने के लिए प्रेरित किया।

प्रोफेसर अलका तिवारी ने सभी का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हम कला के द्वारा सदैव से समाज में मूल्य की स्थापना करते हुए समाज को चित्रकारी के माध्यम से जागरुक कर रहे हैं। वित्त अधिकारी रमेश चंद ने कहा कि वित्त विभाग सदैव से इस प्रकार की गतिविधियों में सहयोग करता आया है। विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर हरे कृष्णा, प्रोफेसर जे ए सिद्दीकी, पुस्तकालय अध्यक्ष, प्रोफेसर संजय कुमार, अध्यक्ष मनोविज्ञान विभाग, प्रोफेसर अल्पना, डा. प्रदीप चौधरी, सांख्यिकी विभाग, डा. प्रशांत कुमार उपस्थित रहे।

रामायण संग्रह प्रदर्शनी : राम प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर केंद्रीय पुस्तकालय में रामायण संग्रह प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस दौरान रामायण संबंधी साहित्य को प्रदर्शित किया गया।

उत्तरायण सूर्य में सूर्यवंशी राम की प्राण प्रतिष्ठा

प्रोफेसर संजीव कुमार शर्मा

यजुर्वेद में सूर्य की उपासना करते हुए भारतीय मंत्रद्रष्टा ऋषि की तपःपूत वाणी 'सविता देव' अर्थात् सूर्य को संरक्षक, ऐश्वर्य संपन्न, प्रेरक, वरेण्य, सौभाग्य धारक, सभी को संपत्ति प्रदान करने वाले, बुद्धि तथा भद्र के संवाहक व संपोषक के रूप में देखती है। पंच महाभूत को प्राण तत्व प्रदान करने वाले देव भी सूर्य हैं। प्रकाश, ऊर्जा तथा सामर्थ्य प्रदान करने वाले भी सूर्य हैं। भारतवर्ष की सनातन मनीषा ने सूर्य को मानव जीवन एवं संपूर्ण सृष्टि की क्रियाशीलता का महत्वपूर्ण आधार माना है।

सूर्य को प्रातः काल नमस्कार कर दिवस की गतिविधि प्रारंभ करना सामान्यतः स्वीकृत संस्कार है। सूर्य नमस्कार वस्तुतः यौगिक प्राणायाम का भी अतीव महत्वपूर्ण अंग है। सूर्य का ताप वनस्पति जगत की प्राणवायु है। सूर्य भारतीय ज्ञान परंपरा का अपरिहार्य तत्व है। नदी स्नान सूर्य को जल दिए बिना अपूर्ण समझा जाता है। वस्तुतः सूर्य समस्त जीवधारियों, वनस्पतियों, लताओं, नदियों, पर्वतों, अरण्यों, नगरों, नक्षत्रों, ग्रहों, जलराशियों, कंदराओं और गिरि–गह्वरों की प्रकृति, स्थिति और भविष्य का नियामक है। इसीलिए भारतीय चिंतनधारा ने अपने आराध्यों में सूर्य को श्रेष्ठ स्थान पर अधिष्ठित किया।

सूर्य की यह अगम्य महिमा उसे सामान्य पहुंच से दूर भी बनाती है। उसका असह्य ताप उसे प्रकृष्ट बनाता है। उसका तेज उसे आकर्षक बनाता है। उसका आकार उसे स्पृहणीय बनाता है। सूर्य मानव के सम्मान और, श्रद्धा के साथ– साथ कौतूहल तथा जिज्ञासा का भी केंद्र रहा है। आधुनिक विज्ञान की प्रगति आख्या के सभी उज्ज्वलतम पृष्ठों की संकल्पना से पूर्व भी मानव सभ्यता के उषा काल में भारतीय मेधा ने सूर्य की चमत्कारिणी शक्ति के विभिन्न पक्षों पर चिंतन, मनन, विश्लेषण तथा अनुसंधान आरंभ कर दिया था।

भारतवर्ष के अंतरिक्ष विज्ञान शोध की यशोगाथा का सर्वोत्कृष्ट पक्ष सूर्य की प्रकाश परिधि में एल–1 बिंदु पर आदित्य अंतरिक्षयान का स्थापित होना कहा जाएगा। सूर्य के अध्ययन व हेतु, सूर्य के प्रभामंडल में स्थापित भारतीय व अंतरिक्ष आधारित मिशन की स्थापना ने वस्तुतः व भारतीय जन मानस के मन–मस्तिष्क में अपने अंतरिक्ष वैज्ञानिकों के प्रति अटूट विश्वास तथा अतुलनीय आस्था को सुदृढ़ किया है। आदित्य मिशन भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान की सफलता–कथा का एक स्मरणीय अध्याय बनेगा, इसमें कोई संदेह नहीं है।

मंगल बेला की प्रतीक्षा

एक पखवाड़े पूर्व की इस भारतीय उपलब्धि से अनायास ही एक स्वाभाविक प्राकृतिक संयोग भी संबद्ध हो गया है। कल उदया तिथि के अनुसार सूर्यदेव मकर राशि में प्रवेश करेंगे। ऋतु परिवर्तन होगा। राशि परिवर्तन होगा। दक्षिणायन से उत्तरायण में सूर्य की गति का यह अवसर प्रति वर्ष आता है। परंतु इस बार यह अवसर अनूठा है।

बलशाली एवं बुद्धिमान भीष्म ने महाभारत प्रभ के युद्ध में अर्जुन के बाणों से क्षत–विक्षत हो जाने पर भी सूर्य के उत्तरायण होने से पूर्व देह क्र त्याग का निषेध कर दिया था और बहुत समय इर तक शरशैया पर बने रहे। शांतिपर्व में युधिष्ठिर को राजधर्म पर विस्तृत ज्ञान दिया और उस में अवस्था में भी समय–समय पर जिज्ञासुओं का है मार्गदर्शन किया। वे सूर्य के उत्तरायण होने की ही प्रतीक्षा करते रहे। सूर्य के धनु राशि से निकालकर मकर राशि में प्रवेश करने का यह अवसर कितना महत्वपूर्ण योगकारक है कि सनातन मतावलंबियों की मान्यता अनुसार मांगलिक कार्यों को आरंभ करने के लिए इस तिथि की कई माह तक प्रतीक्षा की जाती है।

सूर्यवंश का दिव्य प्रकाश

सूर्य की इस अंतरिक्ष यात्रा का ही प्रभाव था कि भारतवर्ष के नामकरण से लेकर सभ्यता और संस्कृति के चरमोत्कर्ष तक सर्वाधिक समादृत राजवंश 'सूर्यवंश' ही रहा है। सूर्यवंश की सर्वकालिक वरेण्यता और सामाजिक महत्ता श्लाघनीय रही है। आदिकवि वाल्मीकि से लेकर महाकवि कालिदास तक, महर्ष कंवन से लेकर महाकवि भवभूति तक, महाकवि भास से लेकर गोस्वामी तुलसीदास तक और महाकवि केशव से लेकर जनकवि राधेश्याम तक सबने सूर्यवंश की गाथा अपने–अपने स्वर में, अपने–अपने भाव में, अपने–अपने छंद में, अपनी–अपनी भाषा में और स अपनी–अपनी शैली में गाई है। इस सूर्यवंश के प्रभाव का वर्णन करते समय महाकवि कालिदास अपनी बुद्धि एवं कवित्व को अल्प बताते हैं– क्व सूर्य प्रभवो वंशः क्व चाल्पविषया मतिः।

मकर संक्रांति पर दैनिक जागरण में प्रकाशित प्रोफेसर संजीव कुमार शर्मा का आलेख।

इसी सूर्यवंश के अनंतकाल से सर्व समादृत राजा राम की जन्मस्थली अयोध्या में आगामी सप्ताह में एक युगांतरकारी घटना घटित होने जा रही। है। 500 वर्षों से असहायता, अकुलाहट तथा हीनता के भाव से क्लांत एवं क्षीणश्री भारतीय जनमानस पुनः आत्मगौरव से संयुक्त होकर वह दृश्य देखने जा रहा है, जिसकी कल्पना तथा आशा भी नष्टप्राय हो गई थी।

विधर्मी तथा क्रूर, आततायी तथा बर्बर आक्रांताओं से त्रस्त तथा उत्पीड़ित भारतीय समाज अनेक शताब्दियों तक अपने उपासना स्थलों, प्रतीकों, श्रद्धा–केंद्रों, आस्था–स्थानों, शिक्षा व ज्ञान के उद्गमों के साथ–साथ अपनी महिलाओं, बच्चियों, मूर्तियों, प्रतिमाओं तथा विश्वासों को बलपूर्वक पददलित तथा विध्वंसित किया जाता हुआ देखता रहा।

वर्तमान राजनीतिक स्वतंत्रता की प्राप्ति ने भी दुर्भाग्यवश उस दमित सम्मान की पुनर्प्राप्ति की कोई आश्वस्ति नहीं दी। सेक्युलरिज्म के पाखंड और पूजा–पद्धति आधारित वोट बैंक बनाए रखने की लालसा ने भारतीय मानस को आधुनिकता और उदारता के भ्रमजाल में आबद्ध रखा। लुटेरे, कुचक्री, धूर्त, निर्दयी तथा असभ्य औपनिवेशिक साम्राज्यवादियों की पराधीनता ने भारतीय न्याय प्रणाली को ऐसा विचित्र उपहार दिया कि सामने दिखते हुए सत्य को भी कानूनी प्रमाण की निर्भरता मान लेनी पड़ी। परिणामस्वरूप बर्बरता के साक्ष्य के रूप में श्रीराम की जन्मभूमि पर निर्मित मंदिर के विध्वंस को न्यायालय में प्रमाणीकृत मानने में इतने वर्ष लग गए।

विश्वकल्याण की पुनर्प्रतिष्ठा

ऐसे में आगामी 22 जनवरी को अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि में नवनिर्मित मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह एक असामान्य घटना होगी। यह एक मंदिर की स्थापना अथवा मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा मात्र नहीं है। यह विदेशी एवं विधर्मी आक्रांताओं से पीड़ित भारतीय समाज के पुनर्जागरण की प्राण प्रतिष्ठा है। यह भारतीयता की स्थापना है। यह सनातन संस्कृति की विश्वकल्याण दृष्टि की पुनर्प्रतिष्ठा है।

यह मणिकांचन संयोग ही है कि तीन सप्ताह की तीन अत्यंत महत्वपूर्ण गतिविधियां सूर्य से संबंधित हैं। आदित्य मिशन की सफलता, सूर्य का मकर राशि में प्रवेश और सूर्यवंशी श्रीराम की जन्मभूमि में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा संयोग से एक क्रम में हो रहे हैं।

महर्षि वाल्मीकि ने कहा था कि जब तक पर्वत स्थिर हैं, जब तक नदियां प्रवाहित होकर महासागर में मिल रही हैं, तब तक रामकथा लोक में प्रचलित रहेगी। आदिकवि का यह कथन सत्य सिद्ध हुआ। राज्याभिषेक के लिए आभूषण धारण करते हुए श्रीराम जिस द्य सहजता व सौम्यता से 14 वर्ष के वनवास गमन हेतु गैरिक वस्त्र धारण कर राजभवन से निकल पड़े, वह उन्हें रघुकुल शिरोमणि बना गया। उनके जीवन चरित को लिखकर, सुनाकर, ने गाकर, पढ़कर, सुनकर असंख्य लोग विशिष्ट हो मैं गए।

राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त ने कहा 'राम तुम्हारा चरित स्वयं ही काव्य है। कोई कवि बन जाए सहज संभाव्य है।' सचमुच इस पृथ्वी पर अगणित कवियों, लेखकों, साहित्यकारों, पत्रकारों, कथा–वाचकों, उपन्यासकारों, आचार्यों, विद्वानों, चित्रकारों, मूर्तिकारों, शिल्पियों आदि का जीवन श्रीराम की जीवन यात्रा के किसी एक पक्ष में निमग्न होकर ही धन्य हो गया। श्रीराम की विनम्रता, सरलता, सहजता, सौम्यता, मृदुता, तेजस्विता, दृढ़ता, निर्भीकता, धैर्य, साहस, क्षमता, ओजस्विता, तेज, शक्ति व सामर्थ्य आदि को श्रीकृष्ण गीता में एक श्लोकांश में समेटते हुए कहते हैं–

रामो शस्त्रभृताऽमहम्।

विभूतियोग का वर्णन करते हुए श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा कि शस्त्रधारियों में मैं राम हूं। शस्त्र धारण करते हुए भी राम धैर्य की प्रतिमूर्ति हैं। इसीलिए महर्षि वाल्मीकि ने कहा कि रामो विग्रहवान् धर्मः। अर्थात् राम धर्म का विग्रह हैं। यह सुखद है कि भगवान राम का विग्रह उनकी जन्मभूमि में 500 वर्ष की कालावधि के बाद स्थापित होने जा रहा है। भारतीय आस्था श्रीराम को विष्णु का अवतार मानती है। विष्णु सनातन संस्कृति में परमपिता हैं। विष्णु का अवतार सूर्यवंश में श्रीराम के रूप में हुआ। भारत की आधुनिक अंतरिक्ष वैज्ञानिक उत्कृष्टता और सूर्य के उत्तरायण गमन की पृष्ठभूमि में परमपिता विष्णु के सूर्यवंश में जन्मे अवतार श्रीराम की जन्मभूमि में रामलला की प्राणप्रतिष्ठा का अद्भुत, अकल्पनीय, अविस्मरणीय तथा अभूतपूर्व अवसर सभी को शुभ हो। आज कबीर होते तो प्रफुल्लित होकर गाते–

दुलहिन गावो मंगलाचार।
हमारे घर आए राजा रामचंद्र भरतार।

प्रोफेसर संजीव कुमार शर्मा पूर्व में महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतीहारी के कुलपति रह चुके हैं। वर्तमान में वे सीसीएसयू में संकाय अध्यक्ष कला, निदेशक एकेडमिक हैं। वे इंडियन पॉलिटिकल साइंस एसोसिएशन के महासचिव भी हैं।

कहकशां, रोजी और महजबीं ने कैनवास पर उकेरे राम

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में ललित कला विभाग द्वारा आयोजित 'श्रीराम उत्सव' में कुछ मुस्लिम बेटियों ने श्रीराम का मनमोहक चित्र कैनवास पर उकेरकर उसमें गंगा जमुनी संस्कृति के रंग भर दिए। इसमें छात्रों ने मनमोहक चित्र बनाकर खूब वाहवाही लूटी। इस आयोजन में तीन मुस्लिम छात्राओं कहकशां, रोजी और महजबीं ने विशेष ध्यान आकृष्ट कराया।

उन्होंने कैनवास पर श्रीराम का बोलता चित्र उकेरकर उसमें भारतीय परंपरा को जीवंत कर दिया। चित्रों के लालित्य को देखकर सभी आगुंतकों के मुख से निकला– "धन्य हो बेटियों, कमाल कर दिया।"

अपने चित्रों के साथ छात्राएं कहकशां, रोजी और महजबीं।

समन्वयक प्रो. अलका तिवारी ने विद्यार्थी फनकारों को बधाई दी। मुख्य अतिथि विवि की कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला व अति विशिष्ट अतिथि कुलसचिव धीरेंद्र कुमार वर्मा ने कहा कि ललित कला विभाग 27 दिसंबर से निरंतर श्रीराम एवं रामायण के अन्य पात्रों के जीवंत चित्र पत्थर, कैनवस, कपड़े, कागज आदि पर उकेर रहे हैं।

कोऑर्डिनेटर आइक्यूएसी प्रो. मृदुल कुमार गुप्ता ने कहा कि ललित कला विभाग सदैव विवि में चार चांद लगाता है। डीएसडब्ल्यू प्रो. भूपेंद्र राणा ने कलाकारों को शुभकामनाएं दी।

इस दौरान प्रो. हरे कृष्णा, प्रो. जेए सिद्दीकी, प्रो. संजय कुमार, प्रो. अल्पना, डॉ. प्रदीप चौधरी, डॉ. प्रशांत, डॉ. पूर्णिमा वशिष्ठ, डॉ. शालिनी धामा, आरुषि, सलोनी मौजूद रहीं।

टीजीटी संस्कृत पद पर चयन : संस्कृत विभाग के पुरातन छात्र मोहन कुमार और रजनीश कुमार ने एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल की परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। दोनों का चयन टीजीटी संस्कृत पद पर हुआ है। राष्ट्रीय स्तर की इस परीक्षा में देशभर के संस्कृत के विद्यार्थी भाग लेते हैं।

विद्यार्थियों से ही आगे बढ़ेगा विश्वविद्यालय : कुलपति

विश्व हिंदी दिवस पर संगोष्ठी में कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला ने रखे विचार, अच्छे अंक लाने वाली छात्राएं सम्मानित

परिसर संवाददाता

मेरठ। हम भाषा को कहां तक पहुंचा सकते हैं, इस पर चर्चा होनी चाहिए। सीसीएसयू विद्यार्थियों से है और विद्यार्थियों से ही आगे बढ़ेगा। यह बात सीसीएसयू में विश्व हिंदी दिवस पर 'हिंदी भाषा एवं सूचना प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगम' विषय पर हुई संगोष्ठी में कुलपति प्रो संगीता शुक्ला ने कही।

इस दौरान शिक्षा सत्र 2022–23 के एमए हिंदी में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने पर श्वेता डीजे कॉलेज बड़ौत तथा शिवानी जैन सेंट जोसेफ गर्ल्स डिग्री कॉलेज सरधना को 'यूको राजभाषा सम्मान' से पुरस्कृत किया गया।

संगोष्ठी में विशिष्ट अतिथि निदेशक एकेडमिक प्रो. संजीव शर्मा ने कहा कि जब तक अनिवार्य न हो तब तक अंग्रेजी नहीं बोलनी चाहिए। हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने कहा कि अनेक भाषाओं को एक सूत्र में बांधने का कार्य हिंदी करती है। सरलीकरण के नाम पर भाषा को दुर्गति मत कीजिए। अपनी भाषा हिंदी को श्रेष्ठ एवं आदर्श बनाएं।

डॉ. राकेश बी. दुबे, वरिष्ठ सलाहकार ने कहा कि हिंदी पूरे देश की जनता के साथ ही नहीं बल्कि पूरे स्वाधीनता आंदोलन का साधन बनी। हिंदी भाषियों को चाहिए कि अन्य भाषा का भी सम्मान करें। यूको बैंक की सहायक महाप्रबंधक रूचि अग्रवाल ने विद्यार्थियों को दिए जा रहे शिक्षा ऋण एवं अन्य योजना की जानकारी भी दी।

प्रतिभा रहन, वरिष्ठ प्रबंधक राजभाषा यूको बैंक ने कहा कि उनका बैंक अपनी भाषा का सम्मान करता है। इस दौरान 'यूको राजभाषा सम्मान' का प्रथम पुरस्कार श्वेता डीजे कॉलेज बड़ौत तथा द्वितीय पुरस्कार शिवानी जैन सेंट जोसेफ गर्ल्स डिग्री कॉलेज सरधना को मिला।

हिंदी विभाग में हुए कार्यक्रम में छात्रा को पुरस्कृत करतीं कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला।

इस दौरान डॉ महेश पालीवाल, डॉ. प्रवीण कटारिया, डॉ. यज्ञेश कुमार, डॉ. विद्यासागर सिंह, विनय कुमार, पूजा यादव, अरशदा रिजवी आदि मौजूद रहे।

डॉ. अंजू, सहायक आचार्य ने धन्यवाद दिया। संचालन डॉ. आरती राणा, सहायक आचार्य ने किया। सहायक निदेशक राजभाषा मोहन बहुगुणा ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

निःशुल्क शिविर में सर्वाइकल कैंसर से बचाव की वैक्सीन लगवाती छात्रा। साथ में मौजूद हैं कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला और विश्वविद्यालय के पदाधिकारी व शिक्षक।

टीकाकरण से सर्वाइकल कैंसर से बचाव संभव : कुलपति

परिसर संवाददाता

मेरठ। कैंसर एक ऐसी बीमारी है, जिसमें शरीर में कोशिकाएं नियंत्रण से बाहर हो जाती हैं। कैंसर का नाम हमेशा शरीर के उस हिस्से के नाम पर रखा जाता है, जहां यह शुरू होता है। भले ही यह बाद में शरीर के अन्य हिस्सों में फैल जाए। जब कैंसर गर्भाशय ग्रीवा में शुरू होता है, तो इसे सर्वाइकल कैंसर कहा जाता है। सही समय पर टीकाकरण से सर्वाइकल कैंसर से बचाव हो सकता है। यह बात सीसीएसयू की कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला ने महिला अध्ययन केंद्र और स्वामी कल्याण देव चिकित्सालय सीसीएसयू के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सर्वाइकल कैंसर वैक्सीन शिविर के दौरान कही।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. अखिलेश मोहन ने कहा कि गर्भाशय ग्रीवा वाले किसी भी व्यक्ति को गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर का खतरा होता है। यह अक्सर 30 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में होता है।

कुछ प्रकार के ह्यूमन पेपिलोमा वायरस (एचपीवी) के साथ लंबे समय तक चलने वाला संक्रमण सर्वाइकल कैंसर का मुख्य कारण है। एचपीवी एक आम वायरस है। स्क्रीनिंग परीक्षण और एचपीवी वैक्सीन सर्वाइकल कैंसर को रोकने में मदद कर सकते हैं।

90 छात्राओं को लगी निःशुल्क वैक्सीन

विश्वविद्यालय की तरफ से सर्वाइकल कैंसर वैक्सीन शिविर का आयोजन हुआ। बाजार में इस वैक्सीन की कीमत दो हजार रुपये है। शिविर में 90 छात्राओं को निःशुल्क वैक्सीन लगाई गई। डा. पीके बंसल ने बताया कि अब 6 महीने के बाद इन 90 छात्राओं को दूसरी डोज लगाई जाएगी। यह भी विश्वविद्यालय की तरफ से कैंप लगाकर निशुल्क लगाई जाएगी।

सर्वाइकल कैंसर का जल्दी पता चल जाता है, तो इसका इलाज अत्यधिक संभव होता है। और यह लंबे समय तक जीवित रहने और जीवन की अच्छी गुणवत्ता से जुड़ा होता है।

इस अवसर पर कुलसचिव धीरेंद्र वर्मा, वित्त अधिकारी रमेश चंद्र, रिसर्च डायरेक्टर प्रो. बीरपाल सिंह, अकादमिक डायरेक्टर प्रो. संजीव शर्मा, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. भूपेंद्र सिंह, महिला अध्ययन केंद्र प्रमुख प्रो. बिंदु शर्मा, इंजीनियर मनीष मिश्रा, इंजीनियर मनोज कुमार, इंजीनियर विकास त्यागी, डा. रीता रानी, वैशाली नेगी, वीरेंद्र नेगी आदि मौजूद रहे।

एक्सटर्नल में 40 अंक की अनिवार्यता खत्म

परिसर संवाददाता

मेरठ। एनईपी यूजी को करिकुलर (सह–विषय) के एक्सटर्नल एग्जाम में 40 अंक की अनिवार्यता खत्म कर दी गई है। अब पास होने के लिए एक्सटर्नल व इंटरनल एग्जाम में कुल 40 अंक लाने होंगे। यह व्यवस्था शिक्षा सत्र 2021–22 से लागू कर दी है। इससे करीब 60 हजार विद्यार्थियों में से 95 फीसदी पास हो जाएंगे। यदि किसी के 40 से कम अंक हैं, तो वह 250 रुपये फीस जमा करके बैक परीक्षा देगा। यह फैसला सीसीएसयू की एकेडमिक काउंसिल की बैठक में लिया गया है।

कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला की अध्यक्षता में एकेडमिक काउंसिल की

एकेडमिक काउंसिल का हजारों विद्यार्थियों को लाभ पहुंचाने वाला फैसला

बैठक हुई। इसमें कुलसचिव धीरेंद्र कुमार वर्मा ने एनईपी यूजी के को–करिकुलर विषय में फेल होने वाले हजारों विद्यार्थियों का मसला प्रमुखता से रखा। उन्होंने बताया कि कुल 75 अंक के एक्सटर्नल एग्जाम में 40 अंक लाना अनिवार्य है और 25 अंक के इंटर्नल एग्जाम में 20 अंक जरूरी है। अंकों की अनिवार्यता की वजह से जब से एनईपी यूजी में लागू हुआ है तब से विद्यार्थी परेशान हैं। हजारों की संख्या में विद्यार्थियों के परिणाम रुके हुए हैं। जब तक इसका सरलीकरण नहीं होगा विद्यार्थी चक्कर लगाते रहेंगे।

एकेडमिक काउंसिल से सदस्यों ने मंथन किया जिसमें तय हुआ कि बेहतर होगा कि एक्सटर्नल और इंटर्नल में कुल 40 अंक लाने वाला विद्यार्थी पास होगा। दोनों परीक्षा में निर्धारित अंक की बाध्यता खत्म की जाए। अंत में कुलपति की सहमति के बाद यह प्रस्ताव सर्व सम्मति से पास हो गया। इससे हजारों विद्यार्थियों का रुका परिणाम जारी हो जाएगा और 95 फीसदी पास हो जाएंगे। एकेडमिक काउंसिल ने तय किया कि जिन विद्यार्थियों के इंटर्नल व एक्टर्नल एग्जाम में 40 से कम अंक हैं, वह 250 रुपये जमा करके बैक परीक्षा दे सकेंगे।

नेट–जेआरएफ में चमके मेधावी

परिसर संवाददाता

मेरठ। असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर नियुक्ति के लिए अनिवार्य नेट–जेआरएफ के परिणाम में सीसीएसयू के मेधावियों ने बाजी मारते हुए सफलता पाई है। कैंपस और संबद्ध कॉलेजों में 50 से अधिक विद्यार्थी नेट–जेआरएफ में सफल हुए हैं। 15 छात्र ऐसे हैं, जो जूनियर रिसर्च फैलोशिप एवं नेट दोनों में सफल हुए हैं।

तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल में शोध छात्रा लवी शर्मा, पूजा एवं शैली ने यूजीसी नेट उत्तीर्ण किया है। शोभित तोमर ने योग, विशेष मलिक ने मनोविज्ञान, लाइब्रेरी साइंस में दीपक कुमार एवं मनीष गौतम, मीनाक्षी ने राजनीति विज्ञान, अभिलाषा सिंह ने होम साइंस, शादाब चौहान ने राजनीति विज्ञान जबकि अदिति सिंह ने अंग्रेजी में नेट में सफलता पाई है। निदेशक प्रो. प्रशांत कुमार, डॉ. मनोज श्रीवास्तव, प्रो. जमाल अहमद सिद्दकी, एचओडी प्रो. पवन कुमार, डॉ. नवज्योति, सत्यम सिंह, अमरपाल ने मेधावियों को शुभकामनाएं दीं।

अदिति सिंह

मनीष गौतम

लवी शर्मा

दीपक कुमार

विशेष मलिक

मीनाक्षी

अभिलाषा सिंह

शैली

शोभित तोमर

पूजा

संरक्षक : प्रोफेसर संगीता शुक्ला (कुलपति), **मुख्य संपादक** : प्रोफेसर प्रशांत कुमार, **संपादक** : डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव, **समाचार संपादक** : लव कुमार सिंह, **संपादकीय टीम** : बीएजेएमसी तृतीय व पंचम सेमेस्टर और एमएजेएमसी तृतीय सेमेस्टर के छात्र–छात्राएं।

हुए भाव विभोर : सुभाष चंद्र बोस प्रेक्षागृह में प्राण प्रतिष्ठा समारोह का सजीव प्रसारण देखते समय जय श्रीराम के नारे लगाते युवा।

राममय परिसर

श्रीराम का विशाल चित्र

सजे छात्रावास

श्रीराम पट्टिका

राम का चित्रांकन

चरण पादुकाओं पर पुष्पांजलि

साहित्य भेंट किया : अर्थशास्त्र विभाग की ओर से आयोजित हुए दो सप्ताह के क्षमता संवर्धन कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को रामायण संबंधी साहित्य भी भेंट किया गया।

अर्थशास्त्र विभाग में हुआ शिक्षक क्षमता संवर्धन कार्यक्रम

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित और आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित दो सप्ताह के क्षमता संवर्धन कार्यक्रम के समापन दिवस पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ सोमेंद्र तोमर, राज्य मंत्री, ऊर्जा मंत्री एवं अतिरिक्त ऊर्जा विभाग रहे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रोफेसर वाई विमला, प्रो संजीव शर्मा, प्रो वीरपाल सिंह, प्रो अतवीर सिंह, प्रो जायसवाल, प्रो नीरज सिंघल आदि उपस्थित रहे। सर्वप्रथम कोर्स डायरेक्टर प्रो दिनेश कुमार ने बारह दिवस कार्यक्रम की रिपोर्ट सभी के समक्ष प्रस्तुत की।

कार्यक्रम के प्रतिभागियों जिनमें डॉ उपासना शर्मा, डॉ प्रभाकर, डॉ मनोज कुमार त्रिपाठी, अर्चना जैन आदि ने कार्यक्रम के दौरान प्राप्त अनुभवों को सभी के सामने साझा किया। प्रो वाई० विमला ने कहा कि इस सीखे हुए ज्ञान को आगे बढ़ाने की आवश्यकता है क्यूंकि बिना आउटपुट के इनपुट व्यर्थ है। शिक्षा में बदलती हुई तकनीक के साथ–साथ इस तरह के कार्यक्रम हमारा मार्गदर्शन करने में सहायक होंगे।

इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री डॉ सोमेंद्र ने प्रतिभागियों को हार्दिक बधाई दी तथा भारत सरकार के अधीन इंडियन कौंसिल ऑफ सोशल साइंस एंड रिसर्च नई दिल्ली के इस कार्यक्रम को घोषित करने हेतु आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में राज्य व भारत सरकार का दीर्घकालिक उद्देश्य भारत को विश्व गुरु की श्रेणी में पहुंचाना है।

उन्होंने कहा कि भागवत राम की प्राण प्रतिष्ठा के उपरांत उनका यह प्रथम कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम में शिक्षक प्रतिभागियों के माध्यम से भारत को नई ऊंचाइयों पर पहुंचने में मदद करेगा। उन्होंने वर्तमान शिक्षक को भविष्य की नींव बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों के माध्यम से समाज व राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान निभा सकता है। इस प्रकार के कार्यक्रम राष्ट्र विकास हेतु आवश्यक हैं।

प्रो० जायसवाल ने कहा कि शोध करने के लिए शोधकता में अगर शोध मूल्य और शोध के प्रति उत्साह है तो शोधार्थी द्वारा निकाले गए शोध परिणाम अवश्य ही लाभदायक होंगे। प्रो नीरज ने कहा कि शिक्षकों की कार्यक्षमता को बढ़ाने के लिए ऐसे कार्यक्रम का आयोजन करना आवश्यक है।

अर्थशास्त्र विभाग में दो सप्ताह के संवर्धन कार्यक्रम के दौरान कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला (ऊपर) प्रतिभागियों के साथ। कार्यक्रम के समापन में राज्यमंत्री सोमेंद्र तोमर मुख्य अतिथि (नीचे) रहे। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किए।

कार्यक्रम में 34 सामाजिक विज्ञान के शिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जो हरियाणा, पंजाब, जौनपुर, अमरोहा, मुरादाबाद, बिजनौर, मेरठ आदि से सम्मिलित हुए। कार्यक्रम में रायपुर छत्तीसगढ़ से आए प्रो रविंद्र ब्रह्म, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय अमृतसर से आए प्रोफेसर अमरजीत सिंह सेठी, चितकारा विश्वविद्यालय से आए प्रोफेसर संधीर शर्मा एवं प्रोफेसर धीरेश कुलश्रेष्ठ, डॉ भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एवं इंडियन इकोनामिक एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रोफेसर अशोक कुमार मित्तल, बरेली से आए आशुतोष प्रिया आदि का कोर्स डायरेक्टर प्रो दिनेश कुमार द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

इस कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय से प्रो आलोक कुमार, प्रो विघ्नेश कुमार, प्रो संजीव कुमार शर्मा, प्रो संजय कुमार, प्रो बीर पाल सिंह, प्रो जमाल अहमद सिद्दीकी ने भी अपने वक्तव्य दिए जिस हेतु प्रो दिनेश कुमार ने इन सभी का हार्दिक आभार व्यक्त किया । कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों द्वारा हस्तिनापुर फील्ड विजिट से प्राप्त अनुभवों को भी साझा किया गया।

फील्ड विजिट के दौरान सामाजिक विज्ञान के विभिन्न ऐतिहासिक पहलुओं के अवलोकन के साथ प्रतिभागियों द्वारा अकादमिक प्रस्तुति भी दी गई। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि और अन्य अतिथियों व कोर्स डायरेक्टर द्वारा सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किये गए।

कार्यक्रम में अर्थशास्त्र विभाग का पूर्ण सहयोग रहा। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में इस्माइल नेशनल महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग से डॉ ममता सिंह एवं डॉ कविता गर्ग के साथ–साथ शाहरीन, रितिका, मनीषा, सौरव, मोहित, गौरव, सौदागर, दिनेश गहलोत एवं अर्थशास्त्र विभाग के सभी छात्रों का विशेष सहयोग रहा और इस अवसर पर इन सभी को सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो आलोक कुमार, डॉ वाई पी सिंह, डॉ जमाल अहमद सिद्दिकी, प्रो जसवीर सिंह, प्रो राजीव कुमार, प्रो संजीव कुमार, डॉ सपना जैन एवं डॉ रुपेश त्यागी आदि उपस्थित रहे।

विवि में बनेगा 45 लाख लीटर का रमणीय सरोवर

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विवि (सीसीएसयू) परिसर में 45 लाख लीटर (4.5 एमएलडी) क्षमता का रमणीय सरोवर बनेगा। आसपास का सुंदरीकरण करने के बाद सेल्फी प्वाइंट बनाने की योजना है। यह तालाब तेजी से गिरते भूजल स्तर को रोकने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा। इसमें हॉस्टलों, कार्यालय और आवासों का दैनिक उपयोग का पानी पहुंचेगा।

इसका प्रस्ताव विवि प्रशासन पास कर चुका है और एस्टीमेंट बनाने को प्रक्रिया अंतिम चरण में है। विवि प्रशासन लगातार भू–जल री–चार्जिंग की दिशा में प्रयासरत हैं। यही वजह है कि वर्तमान समय में परिसर के अंदर बड़े स्तर पर बने 45 रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम काम कर रहे हैं। इनके माध्यम से परिसर का बरसाती पानी सीधे भूजल स्तर को री–चार्ज करता है।

विवि के आधिकारिक सूत्र बताते हैं कि अब विवि प्रशासन ने फिजिकल एजुकेशन विभाग के पीछे खाली जगह पर बड़ा सरोवर बनाने का फैसला लिया है। इस सरोवर के चारों तरफ की दीवारें पक्की होंगी और जमीन कच्ची रहेगी। इसकी लंबाई 50 मीटर, चौड़ाई 50 मीटर और गहराई 1.80 मीटर होगी। तालाब की क्षमता 45 लाख लीटर पानी की होगी।

यह तालाब हॉस्टल, अधिकारी–कर्मचारियों के आवासों व विभाग की जलनिकासी से जोड़ा जाएगा। इसके तहत ही आवास व हॉस्टलों की जलनिकासी तालाब तक पहुंचाने के लिए नालियों के ढलान को बदलने का काम किया जा रहा है।

अधिकारियों ने बताया कि तालाब बनने से न सिर्फ भू–जल स्तर रीचार्ज होगा बल्कि आसपास रमणीय स्थल भी बनाया जाएगा जिससे लोग सैर कर सकें। इसके अलावा सेल्फी प्वाइंट भी बनाने की योजना है।

मतदाता दिवस पर मतदान करने की शपथ

परिसर संवाददाता

मेरठ। सीसीएसयू के ललित कला विभाग में राष्ट्रीय मतदाता जागरूकता दिवस की पूर्व संध्या पर छात्र–छात्राओं ने मानव श्रृंखला बनाई। मतदान के प्रति प्रेरित करने वाले स्लोगन हाथ में लेकर जागरूक किया।

विभाग समन्वयक प्रो. अलका तिवारी ने छात्र–छात्राओं को मतदान करने की शपथ दिलाई। इस दौरान डॉ. पूर्णिमा वशिष्ठ, डॉ. शालिनी धामा, आकाश कुमार, आरूषी जैन, संजय कुमार, फैजां, गरिमा, फिजा आदि मौजूद रहे।

तिलक पत्रकारिता स्कूल में फ्रेशर पार्टी

तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल में हुई फ्रेशर पार्टी में मिस और मिस्टर फ्रेशर चुने गए छात्र–छात्राएं।

परिसर संवाददाता

मेरठ। तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल में 14 जनवरी को बीएजेएमसी और एमएजेएमसी प्रथम सेमेस्टर के छात्र–छात्राओं के लिए फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया गया। इस दौरान अनेक रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कार्यक्रम में नवप्रवेशी छात्र–छात्राओं ने कैट वॉक किया और कई प्रकार के गेम्स में भाग लिया। फ्रेशर पार्टी दे रहे छात्र–छात्राओं ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। बीएजेएमसी प्रथम सेमेस्टर से गुनगुन बना और वंश भाटी को क्रमशः मिस और मिस्टर फ्रेशर चुना गया। एमएजेएमसी प्रथम सेमेस्टर से अनुष्का चौधरी और भारत अधाना को क्रमशः मिस और मिस्टर फ्रेशर चुना गया।

रसायन विभाग के छात्रों को मोबाइल वितरण : जनवरी माह में रसायन विभाग के छात्रों को प्रदेश सरकार की योजना के तहत मोबाइल वितरण का कार्यक्रम किया गया। इसमें मुख्य अतिथि मेरठ–हापुड़ लोकसभी सीट से सांसद राजेंद्र अग्रवाल रहे।

फोटो फीचर